रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 22 मई, 2026

वर्ष-2 |अंक-122 |कुल पृष्ठ:8-Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

भोजशाला में मां वाग्देवी को चढ़ी चुनरी

परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़; ड्रोन से निगरानी

धार. धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के बाद आज (22 मई) का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने जा रहा है।

कड़े सुरक्षा पहरे के बीच आज सुबह भोजशाला में हिंदू समाज द्वारा पूजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह करीब 721 वर्षों बाद पहला मौका है, जब शुक्रवार के दिन भोजशाला में हिंदू समाज विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रहा है। इसे लेकर श्रद्धालुओं और हिंदू समाज में भारी उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है।

माँ वाग्देवी को चढ़ाई चुनरी, दोपहर में होगी महाआरती

सुबह तय समय पर हिंदू

समाज के लोग भोजशाला परिसर पहुंचे और मंत्रोच्चार के साथ पूजा की शुरुआत की। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले मां वाग्देवी को चुनरी ओढ़ाई और पुष्प अर्पित कर गर्भगृह को भव्य रूप से सजाया। दोपहर में यहां विशाल महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है। इसे देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

अब्दुल समद ने शांति की अपील की

कमाल मौला मस्जिद के सदर अब्दुल समद ने कहा, "यहां पिछले 700 वर्षों से जुमे की नमाज अदा की जाती रही है। इस परंपरा के प्रभावित होने से समाज में दुख जरूर है, लेकिन हमारी लड़ाई पूरी तरह संवैधानिक और कानूनी दायरे में है।" सदर और शहर काजी ने उम्मीद जताई है कि शुक्रवार दोपहर तक सुप्रीम कोर्ट से राहत या 'स्टे' मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिलेगा, तब मुस्लिम समाज पूरे सम्मान के साथ पहले की तरह नमाज अदा करेगा। तब तक सभी लोग प्रशासनिक गाइडलाइन का पालन करें और अमन-चैन बनाए रखें।

'अफवाहों से बचें और सहयोग करें'

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने कहा कि शहर में शांति, सौहार्द और भाईचारा बना रहे, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। आम जनता से हमारी अपील है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और कानून का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

'कानून तोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई'

धार एसपी सचिन शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और एएसआई (ASI) के आदेश एवं निर्देशानुसार ही पूजा और अन्य गतिविधियां संचालित होंगी। प्रशासन आदेशों का अक्षरशः पालन कराएगा। भोजशाला प्रांगण, धार्मिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात है। ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। जो भी कानून हाथ में लेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'अपना सारा काम छोड़कर भोजशाला आए हैं'

वहीं, धार जिले की स्थानीय निवासी विद्या सोनी ने कहा, "हम आज सुबह अपना सारा काम छोड़कर भोजशाला आए हैं। हम बहुत खुश हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि हम शुक्रवार के दिन यहां आ सके हैं। यह सत्य की जीत है। सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता।"

मध्यप्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के चुनाव का ऐलान, 18 जून को होगा मतदान

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

इन सीटों पर जून महीने में मतदान कराया जाएगा। आयोग के अनुसार चुनाव की अधिसूचना 2 जून को जारी होगी, जबकि उम्मीदवार 9 जून तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के मुताबिक 10 जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 11 जून तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। इसके तुरंत बाद शाम 5 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी।

मध्यप्रदेश से राज्यसभा के जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें भाजपा

के जॉर्ज कुरियन और सुमेर सिंह सोलंकी के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह शामिल हैं। इन तीनों सीटों का कार्यकाल 21 जून 2026 को खत्म हो रहा है। राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होने हैं। विधानसभा में विधायकों की संख्या के मान से दो सीट भाजपा और एक सीट कांग्रेस के पास जाना तय है। कांग्रेस के अंदर चल रही खींचतान को लेकर सत्ता पर आसीन भाजपा कांग्रेस की तीसरी सीट पर उम्मीदवार उतार सकती है। हालांकि तीसरी सीट उसके लिए आसान नहीं हैं।

बता दें मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल भी 21 जून को समाप्त हो रहा है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कुरियन केरल की कांजिराप्पल्ली सीट से चुनाव लड़े थे, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार से करीब 29 हजार वोटों से हार मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा राममोहन राय की जयंती पर किया नमन

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रह्म समाज के संस्थापक, महान समाज सुधारक राजा राममोहन राय की जयंती पर पुण्य स्मरण कर उन्हें नमन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि श्रद्धेय राजा राममोहन राय ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, महिला अधिकारों के संरक्षण एवं आधुनिक शिक्षा के प्रसार के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका सम्पूर्ण जीवन समानता और प्रगतिशील समाज बनाने की अथाह प्रेरणा देता है।

मध्यप्रदेश वैश्विक वन्य जीव संरक्षण का बना रोल मॉडल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वनस्पति और वन्यजीवों की विविधता हमारी पूंजी, इसे संजोकर रखना हमारा कर्तव्य

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जैव-विविधता में हमारा प्रदेश, देश में एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में विकसित किया जा रहा है।

हमारे पास 'टाइगर स्टेट', 'लेपर्ड स्टेट', 'चीता स्टेट', 'वल्चर स्टेट', 'घड़ियाल स्टेट', 'वुल्फ स्टेट' का टाइटल है। सालों पहले देश की धरती से चीते लुप्त हो चुके थे। हम देश की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के रूप में पहचाने जाने वाले चीतों को प्रदेश की धरती में वापस ले आये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को चीता स्टेट बनने का गौरव देने के लिए केन्द्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि चीतों ने पालपुर कूनो और गांधी सागर अभयारण्य को अपना घर मान लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अब कुल 53 चीते हैं। मध्यप्रदेश वैश्विक वन्यजीव संरक्षण का सबसे बड़ा और वैज्ञानिक रोल मॉडल बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के अवसर पर भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम एवं चीता संरक्षण पर मीडिया वर्कशाप को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश 'मोगली लैंड' और 'सफेद शेरों की धरती' के नाम से भी जाना जाता है। लगभग 100 साल के बाद मध्यप्रदेश की धरती पर जंगली भैंसे का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना की गई है। दुर्लभ प्रजाति के 33 कछुए और 53 घड़ियाल कूनो नदी में छोड़े गए हैं। हलाली डेम क्षेत्र में 5 लुप्तप्राय गिद्धों को उनके नैसर्गिक वातावरण में मुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 हजार से अधिक वनस्पतियां, करीब 500 पक्षियों की प्रजातियां और 180 से अधिक मछलियों की प्रजातियां मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तो मध्यप्रदेश के जंगलों में 100 से ज्यादा हाथी भी विचरण कर रहे हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव, मंत्रालय के केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री कीर्तिवर्धन सिंह, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय वन मंत्री श्री यादव ने एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल जैव-विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता एवं जन-जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर चीता संरक्षण पर केंद्रित ब्रोशर, भारत की बायोडायवर्सिटी रिपोर्ट-2026 एवं अन्य प्रचार साहित्य का विमोचन कर अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस की स्मृति में डाक विभाग का 'माय स्टैम्प' (5 रुपए का डाक टिकट) भी लॉंच किया गया। अतिथियों द्वारा आईआईएफएम में नवस्थापित डेटा संचालित प्रयोगशाला (डेटा ड्रिवन लैब) का लोकार्पण भी किया गया। साथ ही इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस (आईबीसीए) की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म, प्रदेश की जैव-विविधता विरासत स्थलों पर केंद्रित लघु फिल्म, मप्र राज्य जैव-विविधता बोर्ड द्वारा संरक्षित तपोवन भूमि स्थलों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव ने प्रदेश के वन विभाग के मैदानी अमले के लिए न्यू बाइक्स एवं रेस्क्यू व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईआईएफएम परिसर में विभिन्न राज्यों के जैव-विविधता बोर्ड द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आकर्षक स्वागत नृत्य करने वाले जनजातीय कलाकारों में प्रत्येक को इनाम स्वरूप 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस 2026 मध्यप्रदेश में मनाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन हमें जैव-विविधता के क्षेत्र में काम करने के लिए चिंतन और कार्य करने की प्रेरणा देता है। 'प्रोजेक्ट चीता' विश्व में वन्यजीवों के पुनर्स्थापन का एक चमत्कारिक उदाहरण है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों का पुनर्स्थापन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करना एक चुनौती पूर्ण कार्य था। प्रदेश के वन विभाग ने एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों का नया घर तैयार किया है।

हमारा वन अमला हाथियों के प्रबंधन के लिए बुलेटिन निकालने जैसे नवाचार भी कर रहा है। चंबल और कूनो नेशनल पार्क में घड़ियालों के संरक्षण का कार्य भी तेजी से हो रहा है। मां नर्मदा का वाहन मगर है, इनके संरक्षण और पुनर्वास की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश की धरती पर 100 साल बाद 8 जंगली भैंसों की वापसी कराई है। इससे हमारे कान्हा नेशनल पार्क की जैव-विविधता समृद्ध हुई है। असम सरकार के सहयोग से हमें जंगली भैंसे मिले हैं। दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों का भी संरक्षण किया गया है। भोपाल से छोड़े गए गिद्ध ने उज्बेकिस्तान तक का सफर तय कर लिया है।

जल संरक्षण के लिये चलाया जा रहा महाअभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण की दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश में गुड़ी पड़वा से लेकर गंगा दशहरा तक 3 महीने का जल संरक्षण महाभियान चल रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में बड़े पैमाने पर कार्य हो रहा है। राज्य में अब तक 3000 करोड़ रुपये की लागत से 56 हजार जल स्रोतों का जीर्णोद्धार और निर्माण, 827 बावड़ी, 1200 से अधिक तालाब, 212 नदियों में साफ-सफाई के कार्य किए गए हैं। इस महाभियान में प्रदेश के 18 लाख लोगों ने अपनी भागीदारी की है।

जल और जंगल के संरक्षण तथा जमीन उर्वरता बचाए रखने में मध्यप्रदेश देश में नंबर वन है। प्रदेश में 2 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए और एक हजार अमृत सरोवर का निर्माण भी तेजी से हो रहा है। प्रदेश के पाँच हजार जलस्रोतों का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में सरीसृपों की बसाहट का कार्य भी हो रहा है। प्रदेश में अब किंग कोबरा के साथ गैंडा लाने की भी तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जंगलों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास भी वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वन्य जीवों को तत्काल इलाज की सुविधा मिल सके।

इंदौर में ट्रांस फैट उन्मूलन पर होटल एसोसिएशन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

इन्दौर. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी के मार्ग निर्देशन एवं नेतृत्व में खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा JHPIEGO के सहयोग से इंदौर में ट्रांस फैट उन्मुलन पर होटल एसोसिएशन के सदस्यों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन ट्रांसफार्म परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि ट्रांस फैट अत्यंत हानिकारक फैट है जो कि हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाता है, यह वनस्पति, गहरे तले हुए जंक फूड, मार्जरिन में पाया जाता है। यह हृदय रोग के साथ-साथ खराब कोलेस्ट्रॉल और धमनियों के संकुचन और सख्त करने की प्रक्रिया को तेज करते हैं, पाचन संबंधित विकार, मोटापा, सूजन और प्रजनन स्वास्थ्य को भी प्रभावित करते हैं।

उन्मुखीकरण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को ट्रांस फैट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव के साथ-साथ सुरक्षित तेल विकल्पों के बारे व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। उन्मुखीकरण के दौरान विशेषज्ञों डॉ. स्वाति भारद्वाज, डॉ. ज्योति बेनावारी ने बताया कि वही पैक्ड फैट और तेल खरीदें जिन पर ट्रांस फैट की मात्रा सहित विस्तृत पोषण की जानकारी दी गई हो, उन्हीं तेल और फैट को प्राथमिकता दें, जो ट्रांस फैट मुक्त हो या उसमें ट्रांस फैट की मात्रा दो प्रतिशत से कम हो। अपने व्यंजनों में फैट और तेल का सीमित मात्रा में उपयोग करें, इनके स्वस्थ विकल्पों का प्रयोग करें, उपयोग किए गए तेल के सुरक्षित और जिम्मेदारी से निपटान के लिए इस बायोडीजल, साबुन, लुब्रिकेंट आदि के निर्माण में इसका प्रयोग करें। इस नये परिवर्तनों को अपनाकर स्वस्थ इंदौर के निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ होटल, बेकरी, डेरी, छप्पन दुकान और सराफा एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री भूमिका सीरवानी, श्री शाहिद एहमद लश्कर तथा श्री आदर्श सुकुमारन ने किया।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श बैठक शनिवार को होगी आयोजित

उच्च स्तरीय समिति करेगी विभिन्न पक्षों से संवाद एवं सुझाव आमंत्रित

इन्दौर. मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की जनपरामर्श बैठक आगामी 23 मई 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे जाल सभागृह इंदौर में आयोजित की जाएगी।

बैठक का उद्देश्य समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों के सुझाव प्राप्त करना है। बैठक में समिति के सदस्य श्री शत्रुघन सिंह (सेवानिवृत्त भा.प्र.से.), श्री अनूप नायर (कानूनविद), श्री गोपाल शर्मा (शिक्षाविद) और श्री बुधपाल सिंह (सामाजिक कार्यकर्ता) मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा गठित यह समिति प्रदेश में समान नागरिक संहिता के विभिन्न आयामों का अध्ययन कर सुझाव प्रस्तुत करेगी। जनपरामर्श बैठकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संगठन-संस्थाओं आदि के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आत्म प्रकाशन से जुड़ा है पुरुषोत्तम मास का दीपदान

पुरुषोत्तम मास याने विक्रम संवत काल गणना पद्धति में ऐसा माह जिसमें नक्षत्र और राशि परिवर्तित नहीं होते अर्थात सूर्य एक ही राशि पर स्थिर हो जाता है । सूर्य एवं चंद्रमा की गति के आधार पर प्रत्येक तीन वर्ष के बाद एक माह ऐसा आता है जिसे अधिक मास कहा जाता है ।
इस काल में सभी मांगलिक कार्य निषिद्ध हैं परंतु यह जप तप स्वाध्याय एवं दान पुण्य के सञ्चय का अप्रतिम संयोग ले कर आता है । यह काल आत्म चिंतन, आत्म दर्शन एवं आत्म शुद्धि का काल है। पद्म पुराण में कहा गया है कि

पुरुषोत्तमम् मासे तु यत्कृते पुण्यकर्मणा ।
तत्सर्वमक्षयम ज्ञेयम् विष्णुलोक प्रदायकम ॥

विष्णुलोक लोक की प्राप्ति कराने वाला पुरुषोत्तम मास आखिर किस ओर संकेत कर रहा है इसे विस्तार से समझते हैं। इस एक माह के काल खण्ड में दीप दान का अप्रतिम महत्व है। दीपन करना, प्रकाश करना या ज्योति प्रज्ज्वलित करना यह पुण्य कार्य देवत्व का प्रतीक है क्योंकि देवता वे हैं जो स्वयम् प्रकाशित होते हैं एवं अन्य को प्रकाशित करते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रत्यक्ष को प्रमाण माना गया एवं अनुभव को प्रत्यक्ष ज्ञान माना गया क्योंकि वह मानव की ज्ञान इन्द्रियों पर अनुभूत होता है । दर्शन की भारतीय परंपरा में आत्मा के बोध का उल्लेख है अर्थात आत्मा का अनुभव होना ईश्वर से प्रत्यक्ष साक्षात्कार से जुड़ा है । स्वाध्याय का यही महत्व है कि अध्ययन से आत्म जागरण की कला को जाना जाए। दान का महत्व भी यहीं से जुड़ा है कि धन के तीन उपयोगों दान भोग एवं नाश में दान विरक्ति से ही उपजता है । जो आत्म बोध की अनिवार्य शर्त है। जप एवं तप तो आत्म ज्ञान के उद्देश्य के प्रबल कारक हैं हीं। तो कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि आत्मा के जागरण एवं श्री विष्णुदेव के सत्वगुणी मार्ग के अवलम्बन का यही काल है। इड़ा पिंगला और सुषुम्ना नाड़ी के त्रिसंग में भी इड़ा तमो गुणी प्रवृत्ति का द्योतक है और पिंगला रजो गुण को संजोती है जबकि मध्य नाड़ी विष्णु ग्रंथि विभेदिनी शक्ति के साथ सत्व गुणों के दीपन की कारक है। इसलिए दीप प्रज्ज्वलित करने से तात्पर्य सत्वगुणी हो कर आत्मा का दीपक जला कर स्वयं के आत्म प्रकाशन से है। आत्म प्रकाशित व्यक्ति को ही अधिकार है कि वह अन्य को आत्मबोध की अनुभूति करा सके । भारतीय योग दर्शन में ध्यान धारणा का महत्व यम नियम से अग्रिम सोपान में जुड़ता है जो संकेत देता है कि कारक एवं निषिद्ध कर्मों का बंधन एक सीढ़ी मात्र है वास्तविक लक्ष्य तो आत्म जागरण है । त्रिदेवों के कार्यों में श्रीब्रह्मा सृजन के श्रीविष्णु पालन के एवं श्री शिव पुनर्सृजन हेतु विनाश के देव कहे गए हैं इस दृष्टि से अन्नदान , जलदान एवं वस्त्र दान भी नाभि से जुड़ा है जो विग्रह का द्योतक है । औषधि दान जीव जंतु पर करुणा एवं वृक्षारोपण भी पोषण कार्य से जुड़ा होने के कारण श्री विष्णु को प्रिय है। नाभि की संतुष्टि से ही उत्थान का मार्ग प्रशस्त होता है । अतः दान के पश्चात दीपन का महत्व है आत्मप्रकाश भारत के दर्शन में परम लक्ष्य कहा गया इसे ही मुक्ति का मार्ग अर्थात मोक्ष कहा गया ।
सहजयोग की आत्मसाक्षात्कार पद्धति श्री माता जी निर्मला देवी प्रणित एक ऐसी खोज है जो कलयुग में अर्थाभाव समयाभाव एवं परिश्रम साध्य होने के तीनो अवगुणों के ऊपर है । यह निशुल्क है , तत्क्षण आत्म दर्शन की नवीन पद्धति है जो समय बचाती है और स्वयं को जानने की उत्सुकता बढ़ाती है। मात्र कुछ ही मिनिट प्रतिदिन अभ्यास से यह बीज के अंकुरण की भाँति कोंपल कोंपल बढ़ने लगती है। सरल एवं सहज होने के कारण बच्चे बूढ़े महिला पुरुष शिक्षित अर्ध शिक्षित अशिक्षित सभी इसे अपना सकते हैं। मानव जाति के उत्थान के लिए की गई इस खोज को अनुभव ज्ञान से सीख कर अन्य को भी सिखाया जा सकता है। पुरुषोत्तम काल में स्वयं को पुरुषोत्तम गढ़ने महा मानव बनाने का समय है । स्वयं जागें एवं अन्य को जगाएँ आत्म जागरण ही पुरुषोत्तम मास का पुण्य उद्देश्य होना चाहिए ।

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

"कॉकरोच जनता पार्टी"

"कॉकरोच जनता पार्टी"
इतनी तेजी से उभरी एक सेटानिकल पार्टी यानि कि हास्य-व्यंग
मीम्स के लिये बनाई गई पार्टी कि महज पांच दिन में
15 मिलियन फालोवर्स यानि 1 करोड़ पचास लाख फालोवर्स
हो गये
चलिये जानते हैं क्या है ये कॉकरोच जनता पार्टी और इसे बनाने का उद्देश्य क्या है
15 मई 2026, सुप्रीम कोर्ट में नकली डिग्रियों पर सुनवाई चल
रही थी,
चीफ जस्टिस सूर्यकान्त जी ने कहा- ये जो बेरोजगार युवा हैं वो कॉकरोच की तरह होते हैं, नौकरी तो मिलती नहीं ,कोई मीडिया
में चले जाते हैं, कोई सोशल मीडिया एक्टिविस्ट बन जाते हैं और कुछ हर एक को टार्गेट करते हैं, बिना मतलब सिस्टम पर प्रहार करते रहते हैं
युवा बेरोजगार इस टिप्पणी से बहुत आहत हुए उन्होंने इसे अपना अपमान समझा
हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने बाद में बयान दिया कि मैंने ये सिर्फ उनके लिये बोला था जो फर्जी डिग्री के सहारे अलग-अलग प्रोफेशन में आ गये हैं,
मगर महाराष्ट्र पूणे के रहने वाले अभिजीत दीपके जो कि यू.एस. के बोस्टन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे थे उन्होंने इसे अलग तरह से लिया और मजाक में एक्स पर एक गूगल फार्म

डाला और युवाओं से जुड़ने को बोला और सबसे दिलचस्प बात उसने इसके लिये कुछ योग्यतायें रखी जिसमें से पहली थी- बेरोजगार युवा,
दूसरी -युवा आलसी होने चाहिये,
तीसरी- आनलाइन रहने के आदी होने चाहिये और
चौथी-उन्हें सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालनी आनी चाहिये
उसका इतना असर हुआ कि पांच दिन में ही इन्स्टा अकाउंट पे
1 करोड़ पचास लाख यानी 15 मिलियन फालोवर्स हो गये
आखिर इतने युवा और बाकी लोग इस पार्टी से इतना क्यूं जुड़ते जा रहे हैं ?
हालांकि ये कोई रजिस्टर्ड पॉलिटिकल पार्टी नहीं है, हास्य व्यंग्य
के लिये बनाई गई एक पार्टी से शुरूआत हुई थी पर अब बहुत आगे जा चुकी है
इनका इन्स्टा अकाउंट सर्च करने पर कुछ घोषणापत्र भी दिखते
हैं
मजाक - मजाक में बनी ये पार्टी आगे कहां जायेगी नहीं पता हालांकि अभिजीत के ऊपर आम आदमी पार्टी से कनेक्शन के आरोप भी लग रहे हैं और वो 2020 से 2023 तक अरविंद केजरीवाल के साथ उनकी कम्युनिकेशन टीम का हिस्सा रह
चुके हैं
मगर युवा इस पार्टी को बहुत पसंद कर रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से आहत इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है
होता क्या है कि जो आपकी कमजोरी है, जिसे लेकर आप पहले ही बहुत परेशान हैं और उससे निकलने की कोशिशों में लगे हैं,
उस पर कोई दिल दुखाने और दिल को चुभने वाली बात कह दे तो
वो बात सीधे दिल पर लगती है और फिर उन्हें जहां भी लगता है कि समाधान निकलेगा वो उसी ओर को जाते हैं और बेरोजगारी तो हमेशा से ही बहुत बड़ी बात है ही
अब समाधान निकले ना निकले ये तो बाद की बात है, फिलहाल उन्हें लग रहा है कि उनके मुद्दों को उठाने और अपनी बात कहने
के लिये एक प्लेटफार्म है जहां से उनके मुद्दों को कहा और सुना जायेगा शायद यही कारण है इतनी संख्या में युवाओं के जुड़ने
का ...

लेखकः
नरेंद्र के यादव
अधिवक्ता उच्च न्यायालय एवं
राजनीतिक विश्लेषक

श्रीमती ट्विशा शर्मा की मृत्यु के प्रकरण की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को

भोपाल.भोपाल में पिछले दिनों हुई श्रीमती ट्विशा शर्मा की मृत्यु के प्रकरण की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को हस्तांतरित की गई है। इस संबंध में राज्य शासन के गृह विभाग ने अधिसूचना जारी की है।

इस संबंध में जारी अधिसूचना में दिनांक 12 मई 2026 को बाग मुगालिया एक्सटेंशन कटारा हिल्स भोपाल में घटित दहेज मृत्यु की घटना के संबंध में थाना कटारा हिल्स में अपराध क्रमांक 133/2026 धारा 80 (2), 85, 3 (5) भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं धारा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 में पंजीबद्ध प्रकरण का अनुसंधान केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों को हस्तांतरित करना प्रस्तावित किया गया है। इसके लिये दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 की धारा 6 में वर्णित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश शासन द्वारा इस प्रकरण के अनुसंधान के प्रयोजन हेतु दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्ति एवं क्षेत्राधिकार का विस्तार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश राज्य में करने के संबंध में सहमति प्रदान की है। प्रकरण में संबंधित अपराध, अपराधों के दुष्प्रेरण तथा/अथवा षडयंत्र संबंधी अनुसंधान की सहमति भी

कौन हैं अभिजीत दीपके?

- अभिजीत मूल रूप से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के रहने वाले हैं।
- अभिजीत दीपके एक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर और पॉलिटिकल कम्युनिकेशंस स्ट्रेटजिस्ट हैं।
- वह पहले आम आदमी पार्टी (AAP) की सोशल मीडिया टीम से भी जुड़े रह चुके हैं।
- उन्होंने पुणे से पत्रकारिता और अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस (PR) में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की है।
- फिलहाल अमेरिका में ही हैं लेकिन वापस लौटकर इस कैंपेन को आगे बढ़ाने की इच्छा रखते हैं.

ॐ श्री महाकालेश्वराय नमः

दिनांक 22 मई 2026 को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन

"तीन दिन थाने में बंद रखकर दो लाख वसूले" किसान का आरोप, थाना प्रभारी पर गंभीर सवाल

न्याय की तलाश में दर-दर भटक रहा अन्नदाता, लोधी युवा संघ के जिला अध्यक्ष आजाद लोधी ने दी अगामी समय में आंदोलन की चेतावनी

हेमंत भार्गव रणजीत टाईम्स शिवपुरी जिला ब्यूरो चीफ

शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र से पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।

एक किसान ने थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता पर मारपीट, अवैध रूप से तीन दिन तक थाने में बंद रखने और दो लाख रुपये की कथित अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित किसान अब न्याय की आस में अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक उसे राहत नहीं मिल सकी है।

पीड़ित किसान इमरतलाल लोधी का आरोप है कि 15 फरवरी को उसे बिना किसी स्पष्ट कारण के थाने बुलाया गया। इसके बाद लगातार तीन दिनों तक उसे थाने में बंद रखा गया। इस दौरान न तो कोई वैधानिक प्रक्रिया अपनाई गई और न ही उसे कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। किसान का कहना है कि इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह मानसिक और शारीरिक रूप से टूट गया।

"पैसे दो, तभी छूटोगे"

किसान का आरोप

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि थाना प्रभारी ने उसे छोड़ने के बदले दो लाख रुपये की मांग की। किसान का कहना है कि यह रकम सीधे न लेकर कथित तौर पर एक मध्यस्थ के माध्यम से दिलवाई गई। भय और दबाव के माहौल में उसने उधार लेकर यह रकम दी, तब जाकर उसे छोड़ा गया। किसान का कहना है कि इस पूरी घटना ने उसे अंदर तक झकझोर दिया है। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद उसने न्याय पाने की उम्मीद में पुलिस अधीक्षक से लेकर आईजी ग्वालियर तक शिकायत की, लेकिन अब तक कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही मिले हैं।

आईजी ग्वालियर से की शिकायत

मामले को लेकर पीड़ित पक्ष ने आईजी ग्वालियर अरविंद सक्सेना से भी शिकायत कर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता पर सत्ता और वर्दी के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। लोधी युवा संघ का अल्टीमेटम घटना को लेकर सामाजिक संगठनों में भी भारी आक्रोश व्याप्त है। लोधी युवा संघ के जिलाध्यक्ष आजाद लोधी ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि यदि एक गरीब किसान को न्याय नहीं मिला, तो यह पूरे समाज के सम्मान का प्रश्न बन जाएगा।

पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल

इस पूरे मामले ने पुलिस प्रशासन की जवाबदेही और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। एक ओर सरकार किसानों के हित और सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर यदि किसी किसान को थाने में प्रताड़ित किए जाने के आरोप सामने आते हैं, तो यह कानून व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सीधा आघात माना जाएगा।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाता है या फिर पीड़ित किसान यूं ही न्याय के लिए भटकता रहेगा।

कॉलोनाइजर को हरित विकास, ऊर्जा व जल संरक्षण को प्रोत्साहित कर पर्यावरण संरक्षक का दायित्व निभाना होगा - डॉ. भरत शर्मा

मध्यप्रदेश के विशिष्ठ भवन निर्माणकर्ता और डेवलपर द्वारा भारतीय सांस्कृतिक उन्नयन के लिए किए गए प्रयासों के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ. भरत शर्मा का सम्मान किया गया।

उक्त अवसर पर डॉ. भरत शर्मा ने कहा कि आज विश्व मौसम परिवर्तन के गंभीर दौर पर चिंतित है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण और मौसम परिवर्तन में अनुकूल बदलाव के लिए में कॉलोनाइजर, बिल्डर अथवा भूमि डेवलपर की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। किसी भी नगर, कॉलोनी या टाउनशिप का विकास सीधे प्राकृतिक संसाधनों, हरित क्षेत्र, जल संरक्षण तथा स्थानीय पर्यावरण को प्रभावित करता है। यदि कॉलोनाइजर जिम्मेदारीपूर्वक कार्य कर समुचित हरित क्षेत्र का विकास, वर्षा जल संचयन, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण और वैकल्पिक ऊर्जा विनियोजन पर ज़ोर देकर, वह सतत विकास प्रकल्पों से प्रकृति संरक्षण में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) तथा नगर एवं पर्यावरण विभाग की स्वीकृतियों का पालन कर मिशन के रूप में "ग्रीन कॉलोनी" अभियान चलाकर वह रहवासियों को प्रेरित कर "विकास और पर्यावरण" के बीच संतुलन बनाकर कॉलोनाइजर भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकता है। उक्त अवसर पर सिंगापुर टाउनशिप के स्वामी श्री देवेंद्र कुमावत, ब्रजेश्वरी, बृजमोहिनी, बृजविहार और राधे रिजेंसी, राधाकुंज कॉलोनी के निर्माता विपिन मोहनलाल अग्रवाल, कल्याण ग्रुप के राकेश खंडेलवाल, वैभव नगर सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील पटेल और समाजसेवी मनीष भाटी विशेष रूप से उपस्थित थे ।

डीएलएड में प्रवेश हेतु आनलाईन पंजीयन प्रारंभ

बड़वानी/ डीएलएड पाठ्यक्रम सत्र 2026 - 27 में प्रवेश हेतु आवेदको का ऑनलाईन पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया 29 मई तक चलेगा ।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी के प्राचार्य से प्राप्त जानकारी अनुसार शासकीय जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी एवं जिले के अन्य अशासकीय महाविद्यालयो में डीएलएड प्रवेश प्रक्रिया एमपी आनलाईन के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। जो भी अभ्यार्थी डीएलएड में प्रवेश लेना चाहते है। उन्हें अपना रजिस्टेशन एमपी आनलाईन पर करना होगा । शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी में प्रवेश हेतु विद्यार्थी को बड़वानी जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य है।

जिला प्रशासन का नशा मुक्ति अभियान : स्कूल-कॉलेजों, बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर. कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करना है।

सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि कलेक्टर महोदय के निर्देशन में जिलेभर में लगातार जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संस्थाओं एवं समूहों में "नशा मुक्ति हेतु मास्टर ट्रेनर / कोर कमिटी" के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जा रही है, जिससे अभियान को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाया जा सके।

इसी क्रम में महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट एवं सत्य मेव जयते इंस्टीट्यूट में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में आबकारी उप निरीक्षक आशीष जैन एवं त्रियंबिका शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए बताया गया कि नशा व्यक्ति के भविष्य, शिक्षा एवं पारिवारिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। कार्यक्रम में युवाओं को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित किया गया एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभियान के अंतर्गत लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ग्राम दतोदा स्थित ग्राम पंचायत परिसर में आबकारी उप निरीक्षक कृतिका द्विवेदी द्वारा ग्रामीणजनों को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूक किया गया। वहीं ग्राम मेमदी, सिमरोल स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आबकारी उप निरीक्षक मीना माल द्वारा महिलाओं एवं ग्रामीणों को नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

अंकुरण नशा मुक्ति केंद्र में आबकारी उप निरीक्षक सुनील मालवीय एवं बी.डी. अहिरवार द्वारा कार्यशाला आयोजित कर नशे से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं एवं सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी क्रम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र जोशी एवं आबकारी उप निरीक्षक मीरा सिंह द्वारा अर्जुनपुरा बस्ती में जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों से नशे से दूर रहने एवं अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई।

तेजपुर गड़बड़ी बस्ती, केसरबाग क्षेत्र में भी विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान में ADEO राघवेन्द्र सिंह कुशवाह, ADEO जहांगीर खान एवं उप निरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया द्वारा स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए समाज में जागरूकता फैलाने एवं नशामुक्त वातावरण निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की शपथ दिलाई गई।

अभियान के अंतर्गत आयोजित सभी कार्यक्रमों में उपस्थित नागरिकों, विद्यार्थियों एवं महिलाओं को स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पंजीकृत श्रमिकों को मिलेगा कैशलेस आयुष चिकित्सा का लाभ

श्रमिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व-मंत्री श्री पटेल

श्रम और आयुष विभाग के बीच ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हुए हस्ताक्षर

भोपाल. मध्यप्रदेश में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों और उनके आश्रितों को कैशलेस आयुष चिकित्सा का लाभ दिया जायेगा।

यह श्रमिकों के स्वास्थ्य कल्याण के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय है। मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल और उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार की गरिमामयी उपस्थिति में श्रम विभाग और आयुष विभाग के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। इस एमओयू पर आयुष विभाग की ओर से आयुक्त डॉ. संजय मिश्र और श्रम विभाग (ईएसआईसी) की ओर से संचालक डॉ. सी. एस. जायसवाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयुष विभाग के प्रमुख सचिव श्री शोभित जैन एवं श्रम विभाग के सचिव श्री रघुराज एम आर सहित दोनों ही विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है और यह पहल भारतीय चिकित्सा पद्धति को आमजन में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर प्रदेश के श्रमिक सामूहिक रूप से योग कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश देंगे।

मंत्री श्री परमार ने भारतीय चिकित्सा पद्धति को विश्वसनीयता के साथ आमजन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस एमओयू के तहत की जा रही गतिविधियों की हर वर्ष समीक्षा की जाएगी और आवश्यकतानुसार सुविधाओं का विस्तार भी किया जायेगा। इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों, विशेषकर श्रमिक वर्ग में योग और सूर्य नमस्कार से स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए श्रम विभाग द्वारा आयुष विभाग के सहयोग से तैयार किए गए एक विशेष 'लोगो' का भी विमोचन किया गया।

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य कर्मचारी राज्य बीमा योजना के लाभार्थियों को राज्य के शासकीय आयुष संस्थानों, जैसे चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला चिकित्सालयों, एलोपैथिक अस्पतालों में संचालित आयुष विंग्स और औषधालयों के माध्यम से समग्र, सुलभ और पूरी तरह से कैशलेस चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इसके तहत पंजीकृत कर्मचारियों और उनके आश्रितों को आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी पद्धतियों पर आधारित वैकल्पिक उपचार के बहुआयामी विकल्प प्राप्त हो सकेंगे। इस योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध रूप से किया जाएगा, जिसके प्रथम चरण में इसे प्रदेश के 9 शासकीय आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों में शुरू किया जाएगा और इसके बाद दोनों विभागों की आपसी सहमति से इसका विस्तार जिला स्तरीय आयुष चिकित्सालयों, आयुष विंग और डिस्पेंसरीज में किया जाएगा। इस पहल से जहाँ एक ओर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर एलोपैथिक स्वास्थ्य संस्थानों पर मरीजों का बढ़ता दबाव भी कम होगा।

एमओयू के प्रावधानों के अनुसार, श्रम विभाग द्वारा ईएसआईसी के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक और उनके आश्रित परिवार के सदस्य (जैसे जीवनसाथी, आश्रित माता-पिता एवं पात्र संतान) इस योजना में लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे। लाभार्थियों की पात्रता का सत्यापन ई-पहचान पत्र, बीमा संख्या अथवा अन्य वैध माध्यमों से किया जाएगा। इन संस्थानों में पात्र मरीजों को चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क ओपीडी परामर्श देने के साथ आवश्यक आयुष औषधियों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, संस्थान में उपलब्धता के आधार पर पंचकर्म व अन्य चिकित्सीय प्रक्रियाएँ, योग व जीवनशैली परामर्श तथा मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गठिया और मोटापा जैसे दीर्घकालिक रोगों का समग्र प्रबंधन भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस पूरी व्यवस्था में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उपचार के लिये सीजीएचएस अथवा राज्य शासन द्वारा निर्धारित दरों को लागू किया जाएगा और ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग प्रणाली के माध्यम से समयबद्ध प्रतिपूर्ति की जाएगी।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े संघ लोक सेवा की प्रारंभिक परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने पहुँचे

परीक्षा केंद्रों पर फ्रिस्किंग, फेस आथेंटिकेशन सहित कक्ष में प्रवेश व्यवस्थाओं का जायजा लिया

इन्दौर. संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को इंदौर शहर में बने 27 केंद्रों पर आयोजित होगी।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े परीक्षा केंद्रों पर आयोग द्वारा निर्धारित व्यवस्थाओं की जानकारी और केंद्रों पर सुविधाओं का निरीक्षण करने एसजीएसआईटीएस कॉलेज पहुँचे। यहाँ उन्होंने आयोग द्वारा निर्धारित किये नियमों के अनुसार फ्रिस्किंग,फेस ऑथेंटिकेशन, क्यूआर कोड/या हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों की नियुक्ति सहित कक्ष में प्रकाश व्यवस्था के साथ ही प्रवेश और निर्गम की व्यवस्थाएं देखी। परीक्षा केंद्र पर संस्था के प्रो. विनोद पारे ने व्यवस्थाओं और सुविधाओ के सम्बंध में जानकारी दी। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने केंद्र पर बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था के साथ ही सीटिंग चेयर का भी अवलोकन किया। उन्होंने यहां बनाये कंट्रोल रूम का भी अवलोकन कर तैनात अधिकारियों के संबंध में जानकारी ली। एसजीएसआईटीएस कॉलेज में अलग-अलग फ्लोर पर 2-2 कक्षों में कुल 10 कक्षों में परीक्षा आयोजित होगी। रविवार को यहां 576 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस दौरान परीक्षा प्रभारी श्रीमती शैली कनाश, परीक्षा के नोडल अधिकारी श्री गुप्ता मौजूद रहे।

शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर में तीन विषयों में पीजी पाठ्यक्रम होगा शुरू

विद्यार्थियों के लिए नवीन छात्रावास भवन जी+3 का होगा निर्माण-संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर की

कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

इन्दौर. संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर इंदौर की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर में नये भवन के निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर किया जाए। नये सत्र से तीन विषयों (क्रिया शरीर, रचना शरीर और शालाक्य तंत्र) में शुरू होने जा रहे पीजी पाठ्यक्रम की तैयारियां सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित नवीन छात्रावास भवन जी+3 के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू किया जाए। महाविद्यालय एवं छात्रावास में भोजन व्यवस्था हेतु नवीन पीएनजी पाईपलाइन कनेक्शन का कार्य समयसीमा में पूर्ण किया जाए। महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की एनसीआईएमएस से मान्यता हेतु आवश्यक चिकित्सा उपकरण एवं औषधि के निर्माण हेतु कच्ची औषधियां एवं उपकरण क्रय किए जाए। स्नातक विद्यार्थियों के लिए तीन माह के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को शुरू किया जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजीतपाल सिंह चौहान, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री अजय यादव, जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया, समिति सदस्य डॉ. धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. एस के दास एवं डॉ. जगदीश पंचोली सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में बताया गया कि शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में स्थित ओपीडी में प्रतिदिन करीब 400 मरीज उपचार के लिए आते हैं। यहां गर्भवती महिलाओं की प्रसूति की भी व्यवस्था है। विशेषकर ओजोन थैरेपी , पंचकर्म चिकित्सा की विशेष सुविधाएं है। यहां पर आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से कैंसर मरीजों का भी उपचार किया जाता है। महाविद्यालय में प्रतिवर्ष स्नातक पाठ्यक्रम में करीब 75 विद्यार्थी प्रवेश लेते है, वर्तमान में यहां करीब 400 विद्यार्थी अध्ययनरत है।

प्रत्येक पात्र बच्चे के लिए तैयार होगा इंडिविजुअल केयर प्लान : आयुक्त सुश्री निवेदिता

मिशन वात्सल्य के राज्य स्तरीय आईसीपी प्रशिक्षण कार्यशाला हुई

भोपाल. आयुक्त महिला एवं बाल विकास सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि इंडिविजुअल केयर प्लान (आईसीपी) केवल एक औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे के जीवन, उसकी आवश्यकताओं और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उन्होंने अधिकारियों एवं संस्थाओं से कहा कि प्रत्येक पात्र बच्चे के लिए आईसीपी तैयार किया जाना अनिवार्य है तथा समय-समय पर उसका मूल्यांकन और अद्यतन भी किया जाना चाहिए, जिससे बच्चों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं प्रभावी बनी रहें। उन्होंने कहा कि बाल देखरेख संस्थाओं में रह रहे बच्चों के साथ समुदाय में संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भी आईसीपी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि हर बच्चे की परिस्थितियां, समस्याएं, क्षमताएं और पुनर्वास की जरूरतें अलग-अलग होती हैं। आयुक्त सुश्री निवेदिता महिला बाल विकास संचालनालय में मिशन वात्सल्य योजना के तहत राज्य स्तरीय इंडिविजुअल केयर प्लान विषय पर आधारित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी।

सुश्री निवेदिता ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आईसीपी के माध्यम से बच्चों की शिक्षा, शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श, कौशल विकास, पारिवारिक पुनर्मिलन, सामाजिक पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के लिए योजनाबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकती है। इससे बच्चों के सर्वोत्तम हित के सिद्धांत को व्यवहारिक रूप से लागू करने में सहायता मिलती है और बच्चों को संस्थागत देखरेख पर निर्भर रहने के बजाय परिवार एवं समुदाय आधारित देखरेख की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये अधिकारियों, बाल संरक्षण विशेषज्ञों, बाल देखरेख संस्थाओं के अधीक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभागीय अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण में बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप देखरेख और पुनर्वास की योजनाओं को बेहतर ढंग से तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

नौतपा से पहले ही तपने लगा एमपी, कई जिलों में आग उगलती गर्मी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नौतपा शुरू होने से पहले ही भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सुबह से ही तेज धूप और झुलसाने वाली हवाओं के कारण हालात ऐसे बन रहे हैं मानो पूरा प्रदेश गर्म तंदूर में बदल गया हो।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 31 मई तक गर्मी अपने चरम पर रह सकती है और कई इलाकों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की आशंका है। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार को निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना और सतना के लिए तीव्र लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में दोपहर के समय हालात बेहद गंभीर रह सकते हैं।

इन जिलों में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्ट

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, उमरिया, शहडोल, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भीषण गर्मी और तेज लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश के अधिकांश हिस्से गर्म हवाओं की चपेट में हैं। ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित बताए जा रहे हैं।

येलो अलर्ट वाले जिले

भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, सीहोर, शाजापुर, रायसेन, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी और अनूपपुर समेत कई जिलों में तापमान 43 से 45 डिग्री के बीच रह सकता है।

नौतपा में और बढ़ेगी तपिश

25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इसके बाद भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में गर्मी का प्रकोप और बढ़ जाएगा। अगले 9 से 10 दिन तक दिन और रात दोनों समय तापमान सामान्य से काफी ऊपर रहने की संभावना है।

दोपहर में घर से निकलने से बचने की सलाह

मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। विशेषज्ञों ने पर्याप्त पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने और धूप में निकलते समय सिर ढंककर रखने की सलाह दी है।

घुमंतू जनजाति के अगरिया (लोहापीट) समाज को जल्द दिये जाएं पट्टे

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अशोकनगर जिले के कलेक्टर को दिए निर्देश

चंदेरी में 20 वर्षों से निवासरत परिवारों की समस्या का होगा त्वरित निराकरण

भोपाल. पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर से उनके निवास पर घुमंतू जनजाति वर्ग के अगरिया (लोहापीट/गाड़िया लोहार) समाज के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल ने अशोकनगर जिले के चंदेरी क्षेत्र में लंबे समय से निवासरत समाज के लोगों को आवासीय पट्टे दिलाए जाने की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे श्री राजू राणा ने बताया कि घुमक्कड़ समाज के कई परिवार पिछले लगभग 20 वर्षों से चंदेरी के तमरपुरा क्षेत्र में निवासरत हैं। इन परिवारों के सभी आवश्यक शासकीय दस्तावेज (आधार, वोटर आईडी आदि) भी चंदेरी के ही बने हुए हैं, लेकिन अब तक पट्टे नहीं मिले हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने इस पर संज्ञान लेते हुए तत्काल अशोकनगर कलेक्टर को शीघ्र समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। श्रीमती गौर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ दिलाया जाएगा और पट्टे वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 1 से 12 जून तक होगी अग्निवीर भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा

परीक्षा केंद्रों पर होगा क्लर्क व स्टोर कीपर का टाइपिंग टेस्ट, एडमिट कार्ड जारी

भोपाल. भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 'ज्वाइन इंडियन आर्मी' की वेबसाइट पर पंजीकृत अभ्यर्थियों की ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 12 जून 2026 तक भोपाल के दो परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। विभिन्न श्रेणियों के लिए यह परीक्षा प्रतिदिन चार शिफ्टों में होगी। इस वर्ष से अग्निवीर क्लर्क और स्टोर कीपर (टेक्निकल) के पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड 15 मई 2026 से भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर उपलब्ध करा दिए गए हैं, जहां से अभ्यर्थी इन्हें डाउनलोड कर सकते हैं। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) के लिए भोपाल में दो केंद्र बनाए गए हैं। पहला केंद्र आईओएन डिजिटल जोन (आईडीजेड) प्रेस्टीज श्री जयराम एजुकेशन सोसायटी, कोकता बायपास, रायसेन रोड और दूसरा केंद्र आईओएन डिजिटल जोन (आईडीजेड) आरजीपीएम, सांखेड़ी, दानिश कुंज, कोलार रोड पर स्थित है।

सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एडमिट कार्ड का प्रिंटआउट अनिवार्य रूप से अपने साथ लाएं। साथ ही एडमिट कार्ड पर दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और निर्धारित समय पर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है और चयन केवल योग्यता (मेरिट) के आधार पर किया जाता है। सेना भर्ती कार्यालय ने सभी अभ्यर्थियों को दलालों और धोखाधड़ी करने वालों से सावधान रहने की सख्त हिदायत दी है। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण या सहायता के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2540954 और 9039018588 पर कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

विशेष न्यायालय के द्वारा एक अन्य लूट के आरोपी को सुनाई सजा तथा समाज को दिया सख्त संदेश

बड़वानी/ विशेष न्यायाधीश बड़वानी द्वारा लूट एवं मारपीट के एक गंभीर प्रकरण में आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई। न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि समाज में भय एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाले अपराधियों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। प्रकरण के अनुसार 22 सितंबर 2023 की रात्रि लगभग 8 बजे फरियादी अंकित अपनी मोटरसाइकिल से सेंधवा से वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान कुंडिया फाटा एबी रोड थाना ठीकरी क्षेत्र में दो मोटर साइकिलों पर सवार चार युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने फरियादी के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की तथा एक आरोपी ने चाकू से वार कर घायल कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने फरियादी से 1200 रुपये नगद एवं रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन छीन लिया और जान से धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायल फरियादी को राहगीरों द्वारा सरकारी अस्पताल ठीकरी पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उसने पुलिस थाना ठीकरी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 447/2023 के तहत धारा 394 एवं 398 भारतीय दंड संहिता में मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। जांच के दौरान आरोपी अखिलेश पिता शोभाराम खराड़ी निवासी कुंडामाल थाना ठीकरी को गिरफ्तार किया गया तथा लूटी गई राशि एवं मोबाइल बरामद किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य, जब्ती दस्तावेज एवं पुलिस अधिकारियों के बयान न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक श्री जगदीश यादव ने प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी के विरुद्ध ठोस तर्क प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5 हजार रूपये अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

26 मई से मप्र में शुरू होगा समर कैम्प 2026: स्कूल की तैयारी

आँगनवाड़ी से स्कूल के सफर को आसान बनाएगी अनोखी पहल पायलट प्रोजेक्ट में 4 जिलों के 6 हजार से अधिक केन्द्र शामिल

झाबुआ. मध्यप्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा की नींव को मजबूत करने और बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए पूरी तरह तैयार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

महिला एवं बाल विकास और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चार प्रमुख जिलों 'समर कैम्प 2026 : स्कूल की तैयारी कार्यक्रम की शुरुआत होने जा रही है। यह महत्वाकांक्षी अभियान बचपन की देखभाल और शिक्षा (ECCE) के तहत संचालित 'आधारशिला पाठ्यक्रम' की अंतिम पुनरावृत्ति का एक अनूठा सामुदायिक विस्तार है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आँगनवाड़ी से निकलकर कक्षा-1 में प्रवेश करने वाला हर बच्चा पूरे आत्मविश्वास, भाषाई समझ और मानसिक तैयारी के साथ स्कूल की चौखट पर आय।

4 जिलों के 6,346 केंद्रों पर सजेगा शिक्षा का मंच

यह ऐतिहासिक अभियान मई और जून 2026 के दौरान कुल 6 सप्ताह तक संचालित किया जाएगा। इसमें राज्य के चार चयनित जिलों-भोपाल, रायसेन, श्योपुर और टीकमगढ़ के लगभग 6,346 आँगनवाड़ी केंद्रों (AWC) को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के केंद्र में 5 से 6 वर्ष की आयु के वे बच्चे शामिल हैं जो इस सत्र में सीधे कक्षा-1 में जाने वाले हैं। अभियान में न केवल बच्चों को, बल्कि उनकी माताओं, केयर टेकर आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (AWW) और प्राथमिक स्कूलों के कक्षा 1 व 2 के शिक्षकों को भी एक साझा मंच पर लाया जायेगा।

तीन चरणों की अनूठी 'शिक्षा-यात्रा'

यह समर कैम्प केवल एक दिन का औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि 6 सप्ताह की एक बेहद सुगठित और व्यवस्थित यात्रा है, जिसे तीन प्रमुख चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में 26 मई 2026 को चारों जिलों के सभी चयनित आँगनवाड़ी और सामुदायिक केंद्रों पर एक साथ 'पहला स्कूल रेडीनेस मेला' आयोजित होगा। यहाँ पाँच विकास क्षेत्रों पर आधारित गतिविधि स्टॉल लगाए जाएंगे, जहाँ माताओं के सामने खेल-खेल में बच्चों की तैयारी जाँची जाएगी। इसके बाद हर बच्चे को एक 'रिपोर्ट कार्ड' दिया जाएगा, जिससे माँ पहली बार अपने बच्चे की वास्तविक सीखने की स्थिति को समझ पाएगी। इसी दिन माताओं को घर पर गतिविधियों कराने के लिए आइडिया विडियोज का परिचय भी दिया जाएगा।

दूसरे चरण में माताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, जिसके तहत मई-जून के 4 हफ्तों तक आँगनवाड़ी कार्यकर्ता माताओं के व्हाट्सअप ग्रुप पर प्रतिदिन आइडिया विडियोज भेजेंगी। माताएं घर पर ही बच्चों के साथ 'एक कहानी, एक खेल, एक कविता' मॉड्यूल के आधार पर गतिविधियों करेंगी। इसके साथ ही समय-समय पर माता-समूह की बैठकें होंगी और आँगनवाड़ी कार्यकर्ता खुद घर-घर जाकर बच्चों की प्रगति का जायजा लेंगी। तीसरे और अंतिम चरण में 30 जून 2026 को 'दूसरा स्कूल रेडीनेस मेला' आयोजित होगा, जिसमें 4 हफ्तों की मेहनत के बाद बच्चों में आए सुधार और प्रगति का उत्सव मनाया जाएगा। बच्चों का दोबारा आंकलन होगा जिसमें माँ और समाज यह देख सकें कि बच्चा कितना आगे बढ़ा है। इस मेले का सबसे महत्वपूर्ण और भावुक क्षण वह होगा, जब बच्चों का यह 'स्कूल रेडीनेस मेला रिपोर्ट कार्ड' प्राथमिक स्कूल के कक्षा-1 के शिक्षक को सौंप दिया जाएगा, जिससे शिक्षक पहले ही दिन से अपने नए छात्र की क्षमताओं और जरूरतों को समझ सके।

अभियान की समयबद्ध रूपरेखा और क्रियान्वयन

प्रशासनिक से लेकर जमीनी स्तर तक इस पूरे कार्यक्रम को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए एक विस्तृत समय-सारणी तय की गई है। कार्यक्रम की शुरुआत 20 और 21 मई 2026 को सुपरवाइजर प्रशिक्षण से हुई। सेक्टर स्तर पर 22 और 23 मई 2026 को आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (AWW) का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। जिसकी जिम्मेदारी सुपरवाइज़र और प्रथम की फील्ड टीम पर होगी।

26 मई 2026 को आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रथम और पार्टनर एनजीओ के सहयोग से 'स्कूल रेडीनेस मेला-1' का सफल आयोजन किया जाएगा। इस मेले के बाद मई और जून माह में पूरे 4 सप्ताह तक माताओं की सक्रिय सहभागिता का दौर चलेगा, जिसमें आँगनवाड़ी कार्यकर्ता आइडिया विडियोज और माता-समूह बैठकों के जरिए अभियान को घर-घर तक पहुँचाएँगी। इसके बाद, 30 जून 2026 को आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा दोबारा प्रथम और सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर 'स्कूल रेडीनेस मेला-2' आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चों की अंतिम प्रगति देखी जाएगी।

चारों जिलों में अभियान की व्यापकता और लक्ष्य

इस ऐलिहासिक सामूहिक प्रयास की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के चार जिलों में हजारों केंद्रों को एक साथ इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम के तहत भोपाल जिले के लगभग 1,873 आँगनवाडी केंद्रों और रायसेन जिले के करीब 1,860 केंद्रों पर इसे संचालित किया जाएगा। इसी तरह श्योपुर जिले के लगभग 1,320 आँगनवाड़ी केंद्रों और टीकमगढ़ जिले के करीब 1,293 केंद्रों को इस बड़े अभियान का हिस्सा है।

उज्जैन में गंगा दशमी पर भक्ति का महासंगम

लोक गायिका मैथिली ठाकुर देंगी प्रस्तुति मां शिप्रा परिक्रमा 25-26 मई, 300 फीट चुनरी अर्पण करेंगे मुख्यमंत्री

उज्जैन। मां शिप्रा के पावन तट पर आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास का अद्भुत संगम 26 मई को देखने को मिलेगा, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं मां शिप्रा को 300 फीट लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। इस भव्य अवसर पर सुप्रसिद्ध भक्ति गायिका मैथिली ठाकुर अपनी मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगी, वहीं भारतीय नौसेना बैंड की प्रस्तुति आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान करेगी।महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ (संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन) द्वारा शिप्रा लोक संस्कृति समिति, श्री रामघाट तीर्थ पुरोहित सभा अवंतिकापुरी एवं जिला प्रशासन उज्जैन के सहयोग से "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत शिप्रा तीर्थ परिक्रमा एवं गंगा दशमी महोत्सव का आयोजन 25 एवं 26 मई को किया जाएगा।शिप्रा लोक संस्कृति समिति के सचिव नरेश शर्मा के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा आयोजित होगी, जिसमें श्रद्धालु विभिन्न प्रमुख तीर्थ स्थलों से होकर गुजरेंगे। यात्रा मार्ग में रामघाट, नृसिंह घाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार, प्रशांतिधाम, दत्त अखाड़ा, रणजीत हनुमान मंदिर, भैरवगढ़ सिद्धवट, मंगलनाथ मंदिर, संदीपनि आश्रम, गढ़कालिका मंदिर एवं गोपाल मंदिर होते हुए पुनः रामघाट पर समापन होगा।26 मई को सायं 5 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मां शिप्रा को 300 फीट लंबी चुनरी अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर हरि कथा, भक्ति संगीत एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में भारतीय नौसेना बैंड की प्रस्तुति के साथ मैथिली ठाकुर एवं उनकी टीम (दरभंगा) द्वारा भक्ति संगीत प्रस्तुत किया जाएगा।इसके अतिरिक्त 17 से 26 मई तक प्रतिदिन सायं 7:30 बजे हरि कथा का आयोजन नारद कथा गायन परंपरा के अंतर्गत पं. ढोली बुवा, उज्जैन द्वारा किया जा रहा है। 25 मई को दत्त अखाड़ा में सायं 6 बजे श्रेयश शुक्ला (इंदौर) एवं संजो बघेल (जबलपुर) एवं साथियों द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। श्रीराम तिवारी (निदेशक, महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन) के अनुसार, इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिप्रा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है।

कलेक्टर जनभागीदारी अभियान सबसे दूर सबसे पहले के तहत ग्राम समोई पहुंचे

झाबुआ. कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट जनभागीदारी अभियान सबसे दूर सबसे पहले के अंतर्गत राणापुर विकासखंड के ग्राम समोई में आयोजित संतृप्ति शिविर में सम्मिलित हुए।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

शिविर के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने दो बालिकाओं की सिकल सेल स्क्रीनिंग कराई तथा उपस्थित बालिकाओं एवं ग्रामीणजनों को सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सभी लोगों से बिना किसी भय के स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि ग्राम पंचायत में अब तक 4500 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बाबा देव के दर्शन के पश्चात वे इस पावन धरा पर पहुंचे हैं। यह शिविर आमजन की समस्याओं, आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं के समाधान के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राप्त समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जाएगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशासन सतत प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से संवाद में प्राप्त शिकायतों पर कहा कि धरती आबा योजना के अंतर्गत विद्युत संबंधी प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो सके। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा तथा शासकीय राशि के दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में वास्तविक परिवर्तन का आधार शिक्षा ही है। उन्होंने विशेष रूप से बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही छात्र-छात्राओं को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए छात्रावासों एवं विद्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने की बात कही।

उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ग्राम में लगभग 80 प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त किया जा चुका है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार शासकीय एवं निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता हैं। शिविर के दौरान कृषक भाई रामा द्वारा गुलाब के 1000 पौधे लगाए जाने के बावजूद किसी योजना का लाभ नहीं मिलने की जानकारी दिए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से संवाद कर सुनी समस्याएं

कलेक्टर ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ग्राम में नियमित रूप से नहीं आते हैं, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को ग्राम में नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

जिले में खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता की जांच जारी

बुरहानपुर. कलेक्टर श्री हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जिले में नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित रूप से जांच एवं सतत् निगरानी की जा रही है।

इसी कड़ी में गुरुवार को सुलेमान एजेंसी से शहद, रूही वॉटर से पानी, अमन गोटे वाले से आइसक्रीम एवं फालूदा, मदीना स्वीट्स से लस्सी एवं आइसक्रीम तथा अपना जूस सेंटर से जूस के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर लोक विश्लेषक, भोपाल को जांच हेतु भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी प्रकार की गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है, तो संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

एक माह में करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण, अवैध कॉलोनियों पर हो सख्त कार्रवाई : कलेक्टर श्री मिश्रा

वसूली, सीमांकन और शिकायत निवारण पर विशेष जोर राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल.कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक (आरओ मीटिंग) में जिले के राजस्व प्रशासन से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि भूमि आवंटन एवं धारणाधिकार से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का आगामी एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि वैध एवं अवैध कॉलोनियों से संबंधित प्राप्त शिकायतों का सूक्ष्म परीक्षण कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन तैयार किया जाए। उन्होंने कॉलोनी सेल को नगर निगम एवं संबंधित एसडीएम के साथ समन्वय स्थापित कर अपने-अपने क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित प्रकरणों में आवश्यक पुलिस कार्रवाई भी समय पर कराने को कहा।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आरसीएमएस तथा लोक सेवा प्रबंधन पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि तीन माह से अधिक पुराने सीमांकन प्रकरणों का आगामी एक माह में अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध और पारदर्शी राजस्व सेवाएं प्रशासन की प्राथमिकता हैं।

बैठक में राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने भू-राजस्व, खनिज राजस्व एवं अन्य शासकीय देयताओं की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि विवादों में कमी लाने के लिए नक्शा शुद्धिकरण, खसरा-खतौनी में त्रुटि सुधार तथा अभिलेखों के अद्यतन कार्य को प्राथमिकता देने पर बल दिया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, जनसुनवाई, कलेक्टर लॉगिन एवं सीएस मॉनिटरिंग प्रकरणों की समीक्षा करते हुए असंतोषजनक प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी एडीएम एवं एसडीएम को रोस्टर बनाकर तहसीलदार न्यायालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा पारित आदेशों के क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एक माह के भीतर सभी लंबित आदेशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने अतिक्रमण, फायर सेफ्टी, पटाखा दुकानों एवं गोदामों के नियमित निरीक्षण तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों की अनुभाग स्तर पर बैठक आयोजित कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सुमित कुमार पांडे, श्री प्रकाश नायक, श्री अंकुर मेश्राम, श्री पी.सी. शाक्य सहित जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एसएलआर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठकजनगणना-2027 के तहत कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता के संबंध में बैठक संपन्न

बुरहानपुर. जिले में जारी जनगणना-2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करने हेतु शुक्रवार को जनगणना निदेशालय भोपाल से आए संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख श्री रामावतार पटेल की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री राजेश पाटीदार, जिला प्रभारी श्री विनय श्रीवास्तव, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती लूसिया रावत सहित मास्टर ट्रेनर्स, चार्ज अधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।बैठक में संयुक्त निदेशक श्री रामावतार पटेल ने उपस्थित अधिकारियों एवं जनगणना दल को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। प्रगणकों को निर्देशित किया गया कि वे नागरिकों से सभी प्रश्न यथास्वरूप एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूछकर सही जानकारी दर्ज करें।

बैठक में संयुक्त निदेशक श्री पटेल द्वारा जनगणना प्रपत्र में शामिल विभिन्न बिंदुओं जैसे शौचालय, इंटरनेट सुविधा, गैस कनेक्शन, नाली निकासी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी सही ढंग से दर्ज करने के संबंध में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया गया।बैठक में निर्देश दिए गए कि निर्धारित समय-सीमा के पूर्व सभी त्रुटियों एवं डुप्लीकेसी का सुधार कर लिया जाए। साथ ही स्व-गणना के माध्यम से प्राप्त सभी डेटा का सावधानीपूर्वक सत्यापन किया जाए, ताकि अंतिम आंकड़ों में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।संयुक्त निदेशक श्री पटेल ने कहा कि तालाबंद मकानों का अंतिम तीन दिन दिवसों में विजिट कर लिया जाएं। यदि इसके बाद भी संबंधित मकान बंद मिलता है, तो उसे तालाबंद श्रेणी में दर्ज किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि जनगणना कार्य के तहत कोई भी व्यक्ति जानकारी देने से मना नहीं कर सकता, ऐसी स्थिति बनने पर वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल सूचना दी जाए। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनगणना दल की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया तथा कार्य को गुणवत्ता, शुद्धता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में गुरुवार को संयुक्त निदेशक श्री पटेल द्वारा ग्राम धुलकोट, असीरगढ़ एवं ग्राम निंबोला में जनगणना अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया गया था।

उपचार हेतु 2 लाख 10 हजार रूपये की राशि स्वीकृत

बुरहानपुर. कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने 4 प्रकरणों में 2,10,000/- रुपये (दो लाख दस हजार रुपये) की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। विदित है कि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत जरूरतमंद नागरिकों को उपचार सहायता हेतु राशि स्वीकृत की जाती है।

नौतपा व हीटवेव को लेकर स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी

आलीराजपुर. आलीराजपुर 22 मई 2026। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने नौतपा एवं अत्यधिक गर्मी को देखते हुए आमजन के लिए स्वास्थ्य सलाह जारी की है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और शुष्क वातावरण के कारण लू (तापघात) का खतरा बढ़ गया है, जो कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और बचाव संबंधी उपाय अपनाने की आवश्यकता है।

गर्मी से बचाव के उपाय

स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें ,धूप में निकलते समय सफेद या हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें तथा सिर, कान और गर्दन को गमछे या तौलिये से ढककर रखें। धूप से बचाव के लिए छतरी और रंगीन चश्मे का उपयोग करें। घर से बाहर निकलने से पहले पर्याप्त भोजन और पानी अवश्य लें तथा अपने साथ पानी की बोतल रखें। उन्होंने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। बच्चों को तेज गर्मी महसूस होने पर तुरंत घर के अंदर आने की सलाह दें, वहीं बुजुर्गों को दोपहर के समय बाहर न निकलने दें और समय-समय पर पानी व तरल पदार्थ देते रहें।

लू लगने के प्रमुख लक्षण

लू लगने के प्रमुख लक्षणों में शरीर का तापमान बढ़ना, गर्म व सूखी त्वचा, तेज सिरदर्द, उल्टी, कमजोरी, सांस फूलना, चक्कर आना और बेहोशी शामिल हैं।

लक्षण दिखाई देने पर तुरंत करें यह कार्य

सीएमएचओ ने बताया कि लू प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार और ठंडी जगह पर ले जाकर कपड़े ढीले करें तथा ठंडे पानी की पट्टियां रखें। होश में होने पर ओआरएस, ठंडा पानी या कच्चे आम का पना दें। बेहोशी की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने आम नागरिकों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में सावधानी बरतें और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या होने पर नजदीकी स्वास्थ्य संस्था से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक दवाइयों और उपचार की व्यवस्था की गई है, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बड़वानी/ कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार कलेक्ट्रेट सभागृह में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ब्लॉक-वार एकल और अनुबंधित नल-जल योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने पूर्ण, प्रगतिरत, सर्टिफाइड हस्तांतरित और हस्तांतरण के लिए शेष योजनाओं की श्रेणीवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यों को गति देकर पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर ने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे विद्युत के कार्यों में अनावश्यक देरी पर नाराजगी व्यक्त कर अगले 5 दिनों के पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अगले माह की 15 तारीख तक 41 प्रगतिरत कार्यों को हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि सभी योजनाएं उच्च गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूर्ण होनी चाहिए; यदि कार्यों में पूर्णता नहीं आती है, तो जवाबदेहिता तय की जाएगी और लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों व ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।